भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह, अक्टूबर, 2013

आपका मासिक राशिफल माह, सितम्बर, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

जीवन साथी का सहयोग और सानिध्य से ग्रहस्थ जीवन बेहतर प्रतीत होगा। विरोधियों पर आप द्वारा दमनात्मक कार्यवाही बेहद कारगर सिद्ध हो सकती है। भोजन व्यवस्था मे विधिवता के साथ विस्तार भी होगा। संतान पक्ष की जरुरते चिन्ता बढ़ा सकती है। माह के पहले सप्ताह मे व्यापारिक कार्यक्रमो मे आपेक्षित प्रगति होगी। अध्यात्मिक कार्य, अध्यात्मिक लेखन मामलो मे उन्नतिशील स्थितियां आयेंगी। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 8, 12, 13, 14 प्रगति सूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये रात्रि को सोते समय सफेद सुरमा नेत्रो मे लगाये। लाभ मिलेगा।

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 अक्टूबर

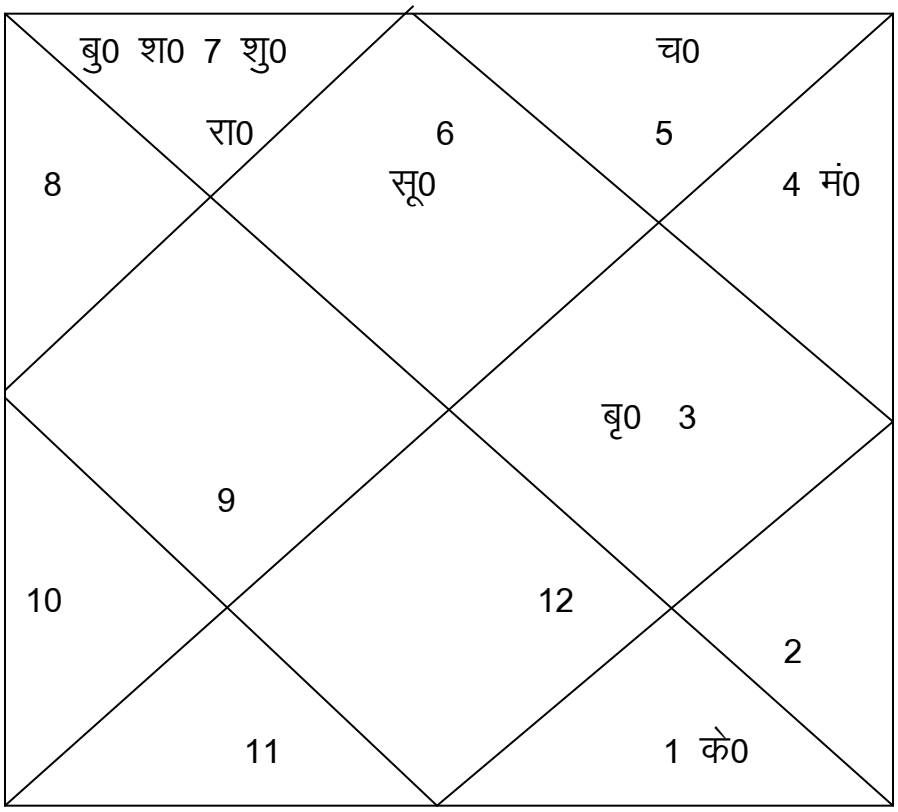

वृषः— ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

कुटुम्ब के सदस्यों के साथ बेहतर सामान्जस्य स्थापित होंगे। किसी धार्मिक, मांगलिक आयोजन की रुपरेखा निर्धारित होगी। एकत्रित यात्रा प्रसंग सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर करेंगे। धन लाभ सम्बन्धी क्रिया–कलाप सरलता के साथ आगे बड़ते प्रतीत होंगे। संतान पक्ष शीत विकार ज्वर आदि के शिकार हो सकते हैं। आमोद, प्रमोद, सम्बन्धी कार्यों मे विध्न बाधायें उपस्थित होंगी। विरोधियों पर आप लगातार प्रभाव स्थापित करने मे कामयाब रहेंगे। पेट सम्बन्धी रोगों से सचेत रहें। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 15, 16 उन्नतिकारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ भार्गवाय नमः मन्त्र का जप 108 बार करना हितकर होगा।

मिथुनः— का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा

मानसिक असंतोष चरम सीमा रेखा पार कर सकता है। पठन पाठन कार्यक्रम मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। टेक्नीकल शिक्षा से जुड़े हुये क्रिया–कलाप लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। आप द्वारा कठोर भाषा शैली का प्रयोग कुटुम्ब मे मतभेद की स्थिति ला सकता है। इस माह मे ग्रहस्थ जीवन क्षेत्र मे सुखी महसूस करेंगे। सरलता के साथ आय और व्यय मे सामन्जस्य स्थापित कर लेंगे। मित्रों, सहयोगियों आदि का सहयोग कई महत्वपूर्ण मामलो मे राहत कारक रहेगा। माह का तीसरा सप्ताह धन लाभ के दृष्टिकोण से उत्तम है राजकीय कार्य भी सुगमता पूर्वक सम्पन्न होंगे। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12 प्रगति कारक है। अरिष्ट निवारण के लिये पीतल का दीपक सुयोग्य पात्र को दान करना उत्तम प्रतीत होगा।

कर्कः— ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

वाद–विवाद की परिस्थितियों को निर्मित करता हुआ यह माह लगातार कष्टकारक प्रतीत होगा। खर्च पर अनियन्त्रण के कारण मानसिक परेशानी मे वृद्वि होगी। निम्न स्तर की सोसाइटी से सावधानी बरतना हितकर होगा। राजनैतिक क्रिया–कलापों से सामाजिक ख्याति बढ़ाने मे सफल रहेंगे। क्रोध की अधिकता के चलते पारिवारिक सदस्यों से मतभेद की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। एकत्रित यात्रा प्रसंग मिश्रित परिणाम दायक प्रतीत होंगे। धार्मिकता का अभाव होगा। तारीख 3, 4, 5, 10, 11, 12, 13, 14 शुभ है। अरिष्ट निवारण के लिये, श्वेत वस्त्र, श्वेत कलम छोटी कन्याओं को दान करें, हितकर सिद्ध होगा।

सिंहः— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

अप्रिय बचन बोलने से परहेज करना आपके तथा पारिवारिक सदस्यों के लिये हितकर होगा। लाभ और खर्च के मध्य संतुलन स्थापित करना कठिन कार्य प्रतीत होगा। उपहार लाभ प्राप्त होने के सुअवसर निर्धारित होंगे। अनायास व्यवसायिक शिक्षा, उच्च शिक्षा के सिलसिले मे यात्रा प्रकरण एकत्रित होंगे। सामाजिक जीवन सामाजिक कार्यो मे आपकी संलग्नता प्रगति मार्ग की ओर अग्रसर करेगी। ग्रहस्थ जीवन खट्ठे, मीठे स्वादों के साथ चलता फिरता प्रतीत होगा। धनागम सम्बन्धी कार्य योजनायें धीरे–धीरे आगे बड़ती प्रतीत हो सकती हैं। स्थायी लाभ की ओर अग्रसर होंगे। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 12, 13, 14 प्रगति कारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये रविवार से प्रारम्भ कर 40 दिन तक तांबे का सिक्का जल मे प्रवाहित करें।

कन्याः— टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

पारिवारिक सदस्यों के कार्यों के प्रति जागरुकता परिजनो का मन मोह लेंगी। आय की अपेक्षाकृत व्यय भार अधिकतम सीमा रेखा पार कर सकता है। जीवन साथी के साथ बिताये गये पल यादगार साबित होंगे। शीत विकार आदि से शारीरिक कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। माह का तृतीय सप्ताह व्यवसायिक हित साधने के लिये बेहतर सिद्ध होगा। इसी सप्ताह मे ग्रहस्थ जीवन मे आ रही कठिनाइयों से राहत मिल सकती है। आखिरी सप्ताह राजकीय कामकाज की दिशा निर्धारित करेगा। तारीख 3, 4, 5, 8, 9, 10, 14, 15, 16 उत्तम है। अरिष्ट निवारण हेतु ऊँ सत्यवचसेनमः मन्त्र का जप 108 बार करना हितकर है।

तुलाः— रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। कुसंगति मानसिक परेशानी का वातावरण बनायेगी। आपके परिवार मे किसी तरह के मांगलिक आयोजन के संकेत बृहस्पति जी करते हैं। जीविकोपार्जन सम्बन्धी समस्याओं का शीघ्रता के साथ हल निकल सकता है। गीत, संगीत अभिरुचि की जिज्ञासा मनः स्थितिको परिवर्तित करेगी। आर्थिक लाभ सम्बन्धी छोटी–छोटी कार्य योजनाये विस्तार रुप ले सकती हैं। आंशिक कठिनाइयों के साथ घर ग्रहस्थी के कामकाज चलते रहेंगे। भोजन व्यवस्था का विस्तृत रुप सामने आयेगा। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 10, 11, 12 उत्तम सूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये श्वेत बछड़े के खिलौने, श्वेत पुष्प, सुयोग्य पात्र को दान करें।

वृश्चिकः— तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

ईश्वर अराधना के प्रति अनास्था का भाव प्रतीत होगा। स्त्री वर्ग के सहयोगी रुख के चलते जीविकोपार्जन सम्बन्धी समस्याओं के बेहतर परिणाम निकल सकते हैं। विरोधियों पर दबाव बनाने की प्रक्रिया कारगर सिद्ध होगी। ग्रहस्थ धर्म का निर्वाहन सामान्य कामकाज की तरह होगा। असंतुलित व्यय भार मानसिक तनाव की ओर इंगित करता है। माह का पहला सप्ताह राजकीय कामकाजो की दिशा निर्धारित करेगा। इसी सप्ताह मे वित्तीय कार्ययोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर सकते हैं। दूसरे सप्ताह मे स्वास्थ्य खान–पान आदि की बेहतरी प्रतीत होगी। वयवसायिक हितों की अनदेखी भी हो सकती है। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10 बेहतर प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये सदैव जेब मे लाल रंग का रुमाल रखें बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।,

धनुः— ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

जीवन संगिनी के साथ तीखी, मीठी नांक झोंक का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार मे चल रहा आपका क्रय विक्रय सम्बन्धी कामकाज के दूरगामी परिणाम असरदार भूमिका का निर्वाहन करेंगे। सामाजिक जीवन मे सादगी पूर्ण वातावरण ही पसन्द आयेगा। राजद्वारीय मामलो मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। स्थायी लाभ के प्रकरणो से लाभान्वित रहेंगे। अचानक किसी धार्मिक यात्रा प्रकरणो मे विध्न बाधायें उपस्थित होंगी। माह का पहला सप्ताह जीविका मामलो मे प्रगति कारक सिद्ध होगा। कैरियर के दृष्टिकोण से भी बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने वाला होगा। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12 शुभ कारक होंगी। अरिष्ट निवारण के लिए शहद तथा पीले फलों का दान करना उत्तम होगा। लाभ प्राप्त होगा।

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

जीवन साथी के साथ तीखी झड़प के लिये माह भर मानसिक रुप से तैयार रहना हितकर होगा। समाज मे भी वाद–विवाद भय की स्थितियां बनी रहेंगी। विपक्षी भी आपकी सहयोगी भावना का आदर करते प्रतीत होंगे। वृद्ध व्यक्तियों का राजकीय कामकाज दिशा मे सहयोग मिलता दिखाई देगा। कर्मवादी व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर कर्म क्षेत्र मे डटे रहें बिगड़ते काम काज भी बनते प्रतीत होंगे। पेट सम्बन्धी रोग, लीवर रोग की संभावनास से इन्कार नही किया जा सकता है। युवा महिला मित्र मन्डली से आशानुकूल सहयोग प्राप्त होगा। भागदौड़, व्यस्तता के अतिरिक्त प्रसंग एकत्रित हो सकते हैं। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 12, 13, 14 प्रगति कारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये सादा काला नमक और हवन सामग्री किसी सुयोग्य पात्र को दान करें बेहतर रहेगा।

कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

ग्रहस्थ आश्रम के अनुभवों से सुखद अनुभूति होगी। व्यापार मे माह के पहले सप्ताह मे लाभ के आसार हैं। शत्रुओं पर आपकी शमनात्मक कार्यवाही कारगर कदम प्रतीत हो सकती है। प्रबल धार्मिक आस्था जाग्रत होगी। धार्मिक आयोजनो मे आपकी भागीदारी राजनैतिक दृष्टिकोण से बेहतर सिद्ध हो सकती है। कार्य करना न छोड़े कार्य सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आमोद, प्रमोद के सुअवसरों का स्वस्थ्य लाभ मिलता प्रतीत होगा। सन्तान पक्ष के उत्तम कृत्य से आप अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर सकते हैं। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12 प्रगति सूचक सिद्ध होंगी। अरिष्ट निवारण के लिये श्रां श्रीं श्रूं शनैश्चराय नमः मंत्र का जप करना आपके लिये बेहतर रहेगा।

मीनः— दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

जीवन साथी का सौम्य शिष्ट आचरण आप को पारिवारिक जीवन मे राहत कारक प्रतीत होगा। सार्थक तथा निरर्थक दोनो तरह के परिणाम यात्रा प्रसंगो से प्राप्त होंगे। व्यवसाय मे अभी अतिरिक्त पूंजी निवेश घातक कदम प्रतीत होगा। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह माह संतान के लिये बेहतर नही है। अध्ययन, लेखन आदि कार्यों मे अवरोध आते प्रतीत होंगे। विधिक और न्यायिक सेवा से जुड़े मामलो मे आंशिक प्रगति होगी। अव्यवस्थित खान–पान आपको रोगग्रस्त बना सकता है। अनायास निर्णय लेने की आदत पर नियंत्रण रखना पारिवारिक जीवन के लिये उचित रहेगा। भगवान भक्ति मे संलग्नता बरकरार रहेगी। तारीख 3, 4, 5, 10, 11, 12, 13, 14 शुभ सूचक सिद्ध होंगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ गोचराय नमः मंत्र का जप 108 बार करना हितकर होगा, लाभान्वित होंगे।

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः—

1. इन्दिरा एकादशी व्रतम् (वैष्णवा नाम), द्वादशी श्राद्ध, 01 अक्टूबर, मंगलवार।
2. प्रदोष व्रत, त्रयोदशी श्राद्ध और मघा श्राद्ध, 02 अक्टूबर, बुधवार।
3. स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, पितृ विसर्जन, 04 अक्टूबर, शुक्रवार।
4. स्नानदानादि अमावस्या, शारदीय नवरात्रारम्भः, 05 अक्टूबर, शनिवार।
5. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, मधुपक चतुर्दशी, 08 अक्टूबर, मंगवार।
6. पत्रिका पूजन सप्तमी, काल रात्रि देवी दर्शन, गरुण पूजा सप्तमी, निशा पूजा, 11 अक्टूबर, शुक्रवार।
7. महालक्ष्मी व्रतम, अन्नपूर्णा परिक्रमा, 108, ओली प्रारम्भ (जैन), 12 अक्टूबर, नवमी, रथ नवमी, 13 अक्टूबर, रविवार।
8. अपराजिता पूजा, शमी पूजन दशमी, विजयदशमी, महानवमी, मन्वादि नवमी, रथनवमी, 13 अक्टूबर, रविवार।

9. पापांकुशा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम, भरत मिलाप (नाती, इमली, काशी), 15 अक्टूबर, मंगलवार।
10. स्नान दान और व्रत की पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्रत की पूर्णिमा, 18 अक्टूबर, शुक्रवार।
11. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 09 बजकर 21 मिनट पर, दशरथ चतुर्थी (बंगाल), अंगारकी गणेश पर्व, 22 अक्टूबर, मंगलवार।
12. ललिता चतुर्थी व्रत, सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन, 23 अक्टूबर, बुधवार।
13. कोकिला पंचमी (जैन) स्वाती नक्षत्र मे सूर्य का प्रवेश, 24 अक्टूबर, गुरुवार।,
14. राधा अष्टमी जयन्ती, कराष्टमी (महाराष्ट्र), 27 अक्टूबर, रविवार।
15. रम्भा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम् यम पंचकारम्भः, 30 अक्टूबर, बुधवार।
16. गोवत्स पूजा द्वादशी प्रदोष व्यापिनी, 31 अक्टूबर, गुरुवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
panditanandawasthi@aarshjyotish.in